गन्ने का उत्पादन 1989–90 के 225.57 मिलियन मीटरी टन से बढ़कर 1991–92 के दौरान 249.25 मिलियन मीटरी टन हो गया है। फिर भी, 1992–93 के दौरान 239 मिलियन मीटरी टन उत्पादन होने की आशा है। गन्ने के उत्पादन में कमी आने का मुख्य कारण गन्ना उत्पादक कुछ राज्यों में सूखे जैसी स्थिति का बना रहना है।

भारतीय खाद्य निगम को दी गई राजसहायता

4440. श्री राम जेठमलानी: क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि गत वर्षों के दौरान भारतीय खाद्य निगम को दी जाने वाली राजसहायता की मात्रा में वृद्धि हो रही है;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1990–91, 1991–92 और 1992–93 के दौरान कितनी-कितनी राजसहायता दी गई है;

(ग) क्या यह भी सच है कि वर्ष 1992–93 को छोड़कर उक्त वर्षों के दौरान खाद्यान्नों को खरीद के लिए निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सका है;

(घ) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि भारतीय खाद्य निगम द्वारा खाद्यान्न भण्डारण, खाद्यान्न खरीद, उसके लाने ले जाने, रख-रखाव और अन्य प्रशासनिक व्ययों में उक्त वर्षों में निरंतर वृद्धि हुई है;

(ङ) यदि हां, तो ऐसी वृद्धि का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(च) क्या यह भी सच है कि भारतीय खाद्य निगम की कार्यकुशलता बढ़ाने और उपर्युक्त खर्चों को कम करने के लिए सरकार को इस आशय का कोई सुझाव मिला है कि निजी क्षेत्र को भी खाद्यान्न भण्डारण, उसे लाने ले जाने और सरकारी दर पर खाद्यान्नों की खरीद की व्यवस्था करने में भागीदार बनाया जाये; और

(छ) यदि हां, तो उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

खाद्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्प नाथ राय): (क) और (ख) 1990–91, 1991–92 और 1992–93 के पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत सरकार ने खाद्य राजसहायता के प्रति निम्नलिखित धनराशियां भारतीय खाद्य निगम को अदा/निर्मुक्त की थीं:–

वर्ष	धनराशि (करोड़ रुपये में)
1990–91	2142
1991–92	2850
1992–93	2785

(ग) चूंकि केन्द्रीय पूल के लिए गेहूं, धान और मोटे अनाजों की वसूली मूल्य समर्थन योजना के अधीन पूर्णतया स्वैच्छिक आधार पर की जाती है और मिल मालिकों/व्यापारियों से लेवी चावल की वसूली उनके द्वारा खरीदी गई धान की मात्रा पर निर्भर करती है, इसलिए खाद्यान्नों की वसूली करने के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते हैं।

(घ) और (ङ) भारतीय खाद्य निगम खाद्यान्नों की वसूली करता है और वह सार्वजनिक वितरण प्रणाली, जवाहर रोजगार योजना, आदि के अधीन खाद्यान्न जारी करने के लिए उपभोक्ता इलाकों को स्टाक भेजता है। भारतीय खाद्य निगम द्वारा ढुलाई पर किए गए

खर्चा सहित वसूली और वितरण से संबंधित खर्चों का ब्यौरा अनुपत्र में दिया गया है। [देखिए परिशिष्ट 168, अनुपत्र संख्या 59]

(च) जी, नहीं।

(छ) प्रश्न ही नहीं उठता।

राज्यों के खाद्यान्न कोटा में वृद्धि

1441. **श्री रामसिंह राठवा** : क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार 1991 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या में हुई वृद्धि के आधार पर राज्यों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सुदृढ़ बनाने के लिए उनके खाद्यान्न कोटे में वृद्धि करने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो चालू वर्ष के दौरान गुजरात के कोटे में की गई वृद्धि का ब्यौरा क्या है ?

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं; और

(घ) वर्ष 1989-90, 1990-91 और 1991-92 के दौरान प्रत्येक राज्य को आवंटित खाद्यान्न कोटे में की गई वृद्धि और चालू वर्ष के दौरान आवंटित किये जाने वाले खाद्यान्न की मात्रा का ब्यौरा क्या है ?

खाद्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्प नाथ राय) : (क) से (घ) गुजरात सहित विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को केन्द्रीय पूल से गेहूं और चावल के आवंटन केन्द्रीय पूल में उपलब्ध स्टाक, मौसमी उपलब्धता, उठान की प्रवृत्ति, विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की सापेक्ष आवश्यकताओं और अन्य संगत तथ्यों को ध्यान में रखकर प्रत्येक मास के आधार पर किए जाते हैं। गुजरात सरकार को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अधीन जनवरी, 1993 से सितम्बर, 1993 तक 3,10,500 मीटरी टन चावल और 4,91,500 मीटरी टन गेहूं आवंटित किया गया है। इसके अतिरिक्त, राज्य को मार्च, 1993 और उसके आगे 5,000 मीटरी टन प्रतिमास के हिसाब से ज्वार आवंटित की गई है।

एक विवरण संलग्न है जिसमें प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र को 1989-90, 1990-91, 1991-92 और 1992-93 के दौरान किए गए आवंटनों का ब्यौरा दिया गया है। [देखिए परिशिष्ट 168, अनुपत्र संख्या 60] वर्ष 1993-94 के दौरान किए गए/किए जाने वाले आवंटन उपर्युक्त तथ्यों पर निर्भर करेंगे।

उत्तर प्रदेश में चीनी का उत्पादन

1442. **चौधरी हरमोहन सिंह** : क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस वर्ष सितम्बर माह के अंत तक देश में होने वाले चीनी के कुल उत्पादन में उत्तर प्रदेश का कितना योगदान होने की संभावना है ;

(ख) पिछले वर्ष की तुलना में चीनी के उत्पादन में कितने प्रतिशत की वृद्धि हुई है; और

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में चीनी का कितना उत्पादन हुआ है ?

खाद्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्प नाथ राय) : (क) चालू चीनी मौसम 1992-93 (अक्तूबर-सितम्बर) के दौरान 31.7.1993 तक देश में हुए चीनी के कुल 104.95 लाख टन (अनंतिम) उत्पादन में से उत्तर प्रदेश की चीनी मिलों द्वारा 27.98 लाख टन चीनी का उत्पादन किया गया है।

(ख) और (ग) पिछले तीन चीनी वर्षों की तुलना में चालू चीनी वर्ष 1992-93 (अक्तूबर-सितम्बर) के दौरान